

B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-IV

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

1. प्रत्येकं विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दशप्रश्नानामुत्तरं सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य च समाधीयताम्।
प्रत्येकটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্ন নিয়ে মোট দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে লেখো।
2×10=20

‘क’ विभागः

‘क’ विभाग

- (a) श्रीमद्भगवद्गीतायाः उत्सः कः?
श्रीमद्भगवद्गीतार उ०स की?
- (b) ‘स कालेनेह महता योगो नष्टः परन्तप’- कोऽत्र वक्ता? ‘परन्तप’ इत्यनेन कः सूचितः? योगः कथं नष्टः अभवत्?
‘स कालेनेह महता योगो नष्टः परन्तप’- एखाने वक्ता के? ‘परन्तप’ এই পদটির দ্বারা কে সূচিত হয়েছে? যোগ কীভাবে
নষ্ট হয়েছিল?
- (c) ‘सम्भवाम्यात्ममायया’- इत्यत्र ईश्वरस्य आत्ममाया भवति का?
‘सम्भवाम्यात्ममायया’-एखाने ईश्वरर आत्ममाया की?
- (d) ‘तदात्मानं सृजाम्यहम्’- कः कदा स्वात्मानं सृजति?
‘तदात्मानं सृजाम्यहम्’- के कখন निजेके सृष्टि करेन?
- (e) कति प्राणाः? के च ते?
प्राण कत प्रकार? की की?

‘ख’ विभागः

‘ख’ विभाग

- (a) ‘विमोहयत्येष ज्ञानमावृत्य देहिनम्’- कः ज्ञानम् आवृणीति? कश्च देहिनं कथं वा विमोहयति?
‘विमोहयत्येष ज्ञानमावृत्य देहिनम्’- के ज्ञानके आवृत करे? के कीभावे देहीके विमोहित करे?
- (b) ‘योगी युञ्जीत सततमात्मानम्’- योगी केन कथं वा आत्मानं युञ्जीत?
‘योगी युञ्जीत सततमात्मानम्’- योगी कार सप्ते एवं कीभावे आत्माके युक्त करबेन?

Please Turn Over

- (c) ब्रह्मचारिव्रतं किम्?
ब्रह्मचारीर व्रत की?
- (d) आत्मन्तिकं सुखं किम्?
आत्यन्तिकं सुख की?
- (e) कामः कुतः कथं च प्रथवति?
काम कोथा थेके एवं कीभावे उॆपन्न ह्य?
- (f) 'युञ्ज्याद् योगमात्मविशुद्धये'— कस्मिन् स्थाने आसने चोपविश्य कथं वा योगी केन सह आत्मानं युञ्ज्यात्?
'युञ्ज्याद् योगमात्मविशुद्धये'— कोन श्चाने एवं आसने उपवेशन करे योगी कार सङ्गे आत्माके युक्त करबेन?
- (g) तामसप्रियं भोजनं कीदृशम्?
तामसिक व्यक्तिदेर प्रिय भोजन कीरूप?
- (h) 'मनश्चञ्चलमस्थिरम्'— मनसः चञ्चलतायाः कारणं किम्? कथं वा अस्य नियमनं भवितुर्महति?
'मनश्चञ्चलमस्थिरम्'— मनेर चञ्चलतार कारण की? कीभावेई वा एके निरुद्ध करा संभव?
- (i) 'योगोऽस्ति न चैकान्तमनप्रतः'— अनप्रतः कथं योगः नास्ति?
'योगोऽस्ति न चैकान्तमनप्रतः'— उपवासी व्यक्तिर योगसाधना ह्य ना केन?
- (j) 'कामरूपेण कौन्तेय दुष्पूरेणानलेन च'— कामः कथम् अनलेन तुलितः? कौन्तेय पदेन कोऽभिहितोऽभवत्?
'कामरूपेण कौन्तेय दुष्पूरेणानलेन च'— कामके केन अग्निर सङ्गे तुलना करा ह्येछे? 'कौन्तेय' पदे के अभिहित ह्येछे?
2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुष्टयं समाधीयताम्। तेषु च यत्किञ्चन द्वितयं सुरगिरा लिख्यताम्। 5×4=20
नीचेर प्रश्नशुनिर थेके ये कोनो चारुटि प्रश्नेर उत्तर दाओ। तार मध्ये दुटि प्रश्नेर उत्तर संस्कृत भाषाय लेखो।
- (a) सप्रसङ्गं सुरगिरा व्याख्या कार्या।
संस्कृत भाषाय सप्रसङ्ग व्याख्या करो।
चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।
तस्य कर्तारमपि मां विद्ध्यकर्तारमव्ययम्॥
Or,
श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति॥
- (b) सप्रसङ्गं सुरगिरा व्याख्या कार्या।
संस्कृत भाषाय सप्रसङ्ग व्याख्या करो।
घूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च।
यथाल्वेनावृतो गर्थस्तथा तेनेदमावृतम्॥
Or,
यथा दीपो निवातस्थो नेङ्गते सोपमा स्मृता।
योगिनो यतचित्रस्य युञ्जतो योगमात्मनः॥

(c) मातृभाषायाम् अनुवाद।

मातृभाषाय अनुवाद करो।

तस्मादज्ञानसम्भूतं हृत्स्थं ज्ञानासिनात्मनः।

छित्तैर्न संशयं योगमातिष्ठोत्तिष्ठ भारत।।

(d) मातृभाषायाम् अनुवाद।

मातृभाषाय अनुवाद करो।

यत्रोपरमते चित्तं निरुद्धं योगसेवया।

यत्र चैवात्मनात्मानं पश्यन्नात्मनि तुष्यति।।

(e) को नाम स्वाध्यायज्ञानयज्ञः? द्रव्यमयात् यज्ञात् कथं ज्ञानयज्ञः श्रेयान् भवति?

स्वाध्यायज्ञानयज्ञ की? द्रव्यमय यज्ञ থেকে জ্ঞানযজ্ঞ শ্রেষ্ঠ কেন?

2+3=5

(f) 'योगो भवति दुःखहा'— योगेनैव कथं दुःखनिवृत्तिः स्यादिति आलोच्यताम्।

'योगो भवति दुःखहा'— যোগের দ্বারা কীভাবে দুঃখনিবৃত্তি সম্ভব হয় তার আলোচনা করো।

5

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

অধোনির্দিষ্ট প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো দুইটির উত্তর দাও।

10×2=20

(a) 'गहना कर्मणो गतिः'— कर्मणः गतिः कथं गहना इति— श्रीमद्भगवद्गीतानुसारम् आलोच्यताम्।

'गहना कर्मणो गतिः'— কর্মের গতি দুর্জের কেন তা শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার অনুসারে আলোচনা করো।

(b) 'विद्धयेनमिह वैरिणम्'— अत्र 'एनम्'— इति पदेन कः उद्दिष्टः? कुतो वा अस्य उद्भवो भवति? यथापाठ्यांशानुसारं तस्य स्वरूपम् आलोच्यताम्।

'विद्धयेनमिह वैरिणम्'— এখানে 'এনম্' পদের দ্বারা কাকে বোঝানো হয়েছে? কোথা থেকেই বা এর উদ্ভব হয়েছে? পাঠ্যাংশের অনুসরণে তার স্বরূপ আলোচনা করো।

1+1+8=10

(c) 'ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्'

মনসঃ নিয়মনার্থ কং যোগং যুজ্যাত্ যোগী? শ্রীমদ্ভগবদ্গীতানুসারে অস্ম্য যোগস্য সাধনোপায়ো বিশদীক্রিয়তাম্।

'ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्'

মনকে রুদ্ধ করার জন্য যোগী কোন যোগের অভ্যাস করবেন। শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার অনুসরণে এই যোগের সাধনপ্রণালী সবিস্তারে বর্ণনা করো।

2+8=10

(d) आहाराः कति? के च ते? योगसाधनायाम् आहारस्य तात्पर्यम् आलोच्यताम्।

আহার কয় প্রকার এবং কী কী? যোগসাধনায় আহারের তাৎপর্য আলোচনা করো।

1+1+8=10